TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

23 अक्टूबर 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और

अन्याय के खिलाफ लड़ने की ताकत देती है।

डॉ. बी. आर. अंबेडकर

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

23 अक्टूबर

मधु प्रिया

राष्ट्रीय मोल दिवस 23 अक्टूबर

मोल डे रसायन विज्ञान विषय में रुचि पैदा करने के लिए बनाया गया था। दुनिया भर में संयुक्त राज्य अमेरिका के कई स्कूल मोल दिवस मनाते हैं। वे रसायन विज्ञान या मोल्स से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ करते हैं। किसी दिए गए अणु के लिए, एक मोल एक द्रव्यमान (ग्राम में) होता है जिसकी संख्या अणु के दाढ़ द्रव्यमान के बराबर होती है। बेहतर समझ के लिए आइए हम पानी के अणु का एक उदाहरण लें। इसका दाढ़ द्रव्यमान 18 है अर्थात एक मोल पानी का वजन 18 ग्राम है। इसी प्रकार, नियॉन के एक मोल का दाढ़ द्रव्यमान 20 ग्राम होता है। अर्थात किसी भी पदार्थ के एक मोल में उस पदार्थ के अणुओं या परमाणुओं की संख्या एवागाड्रो होती है।मेडियो अवोगाद्रो ने पहली बार इस रिश्ते की खोज की और उनकी मृत्यु के बाद उन्हें इसका श्रेय मिला।
नेशनल मोल डे फाउंडेशन (एनएमडीएफ) की स्थापना 15 मई,1991 को हुई थी। नेशनल मोल डे फाउंडेशन का उद्देश्य सभी व्यक्तियों,मुख्य रूप से छात्रों को रसायन विज्ञान के बारे में रुचि या उत्साहित करना था। 1992 में फाउंडेशन विस्कॉन्सिन राज्य में एक गैर-लाभकारी निगम बन गया। नव स्थापित "नेशनल मोल ऑफ द ईयर" पुरस्कार पहली बार बटलर विश्वविद्यालय में केमएड '93 सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था। यह पुरस्कार ओल्ड डोमिनिय यूनिवर्सिटी में केमएड '95 और मिनेसोटा विश्वविद्यालय में केमएड '97 में प्रस्तुतियों के साथ जारी रहा। वास्तव में यह "हर दूसरे वर्ष का मोल" है क्योंकि यह पुरस्कार केमएड सम्मेलनों में विषम संख्या वाले वर्षों में प्रदान किया जाता है। जैसे-जैसे साल बीतते गए, नेशनल मोल डे फाउंडेशन के भीतर रुचि व्यापक हो गई है। यह दिन विभिन्न विदेशी देशों, विशेषकर कनाडा औरऑस्ट्रेलिया में मनाया जाता है। ऑस्ट्रेलिया में, सीएसआईआरओ (जो एनएसटीए के अनुरूप है) विज्ञान विषय के प्रत्येक शिक्षक को राष्ट्रीय मोल दिवस मनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसलिए, हम कह सकते हैं कि एनएमडीएफ रसायन विज्ञान में रुचि पैदा करने के इरादे से बनाया गया था। 1811 में अवोगाद्रो ने अपनी परिकल्पना प्रस्तावित की। उस समय एक मोल में कणों की संख्या पर कोई मानक या कोई डेटा नहीं था। 1827 में, पहला माप जो एवागाड्रो की संख्या के लिए लगभग मान दे सकता था वह रॉबर्ट ब्राउन द्वारा ब्राउनियन गति का अवलोकन था। अवोगाद्रो की परिकल्पना का उपयोग कैनिनज़ारों (1860) द्वारा ऑक्सीजन के परमाणु भार के 1/16 के आधार पर परमाणु भार का एक रक्षात्मक सेट विकसित करने के लिए किया गया था। दरअसल, यह अगले 100 वर्षों में अवोगाद्रो की संख्या के उत्तरोत्तर अधिक सटीक अनुमानों का आधार था।1800 के दशक के उत्तरार्ध में, कोलाइडल कणों के अवसादन संतुलन से उचित मूल्य उपलब्ध थे। 1900 के दशक की शुरुआत में मिलिकन के तेल ड्रॉप प्रयोग ने बेहतर सटीकता प्रदान की और 50 साल पहले अधिकांश रसायन विज्ञान पाठ्यपुस्तकों में इसका उल्लेख किया गया था। 1958 में पाठ्यपुस्तकों ने एवोगैड्रो की संख्या 6.02 गुना 10 से 23वीं बताई। वर्तमान मान 6.022137 गुना 10 से 23 तारीख तक है

जयंती विशेष 23 अक्टूबर

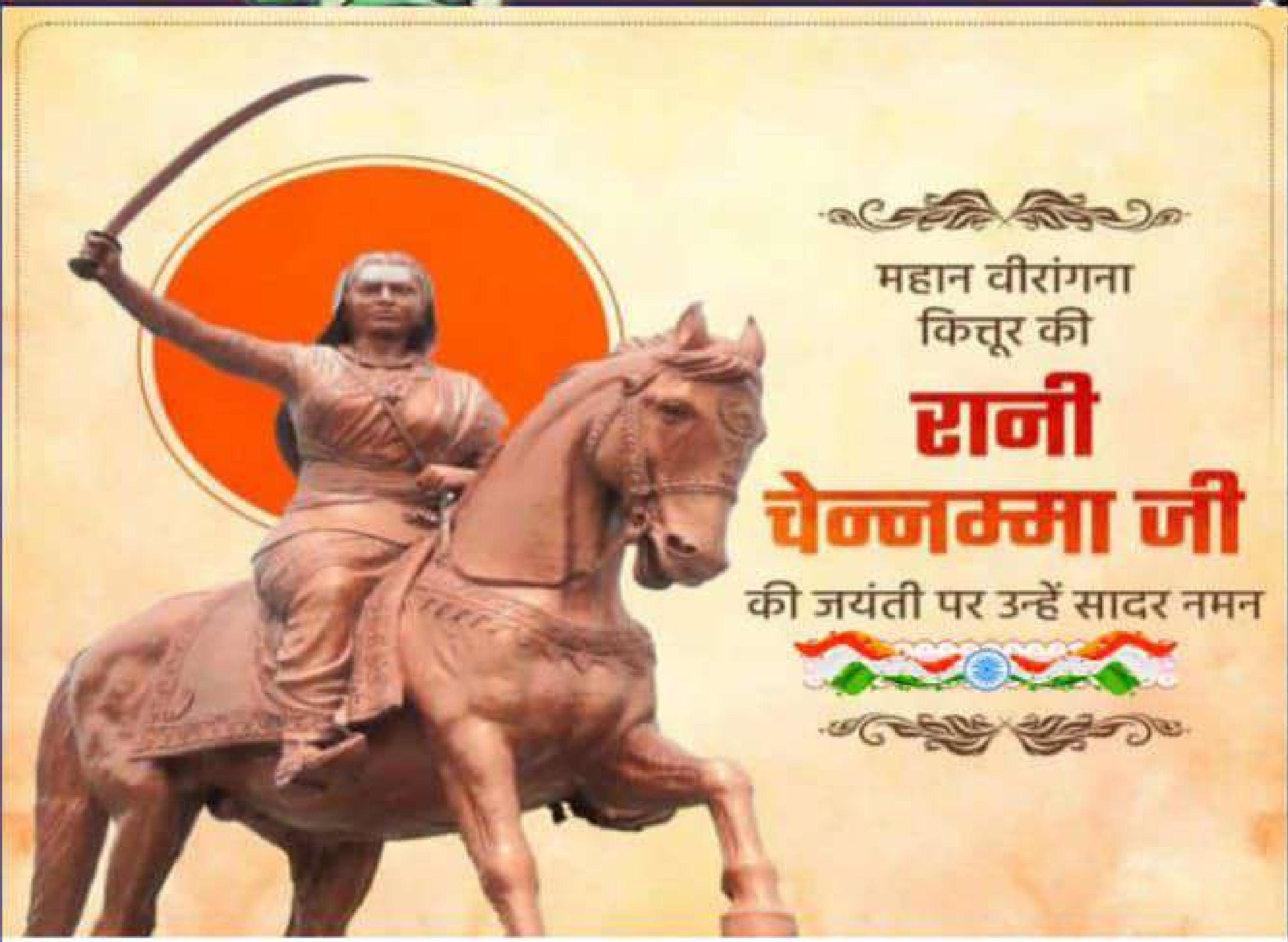

रानी चेन्नम्मा *Rani Chennamma*, जन्म- 23 अक्तूबर, 1778, कित्तूर, कर्नाटक; मृत्यु- 21 फरवरी, 1829 ई.) का दक्षिण भारत के कर्नाटक में वही स्थान है जो स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का है। चेन्नम्मा ने लक्ष्मीबाई से पहले ही अंग्रेज़ों की सत्ता को सशस्त्र चुनौती दी थी और अंग्रेज़ों की सेना को उनके सामने दो बार मुँह की खानी पड़ी थी।

भैया दूज विशेष

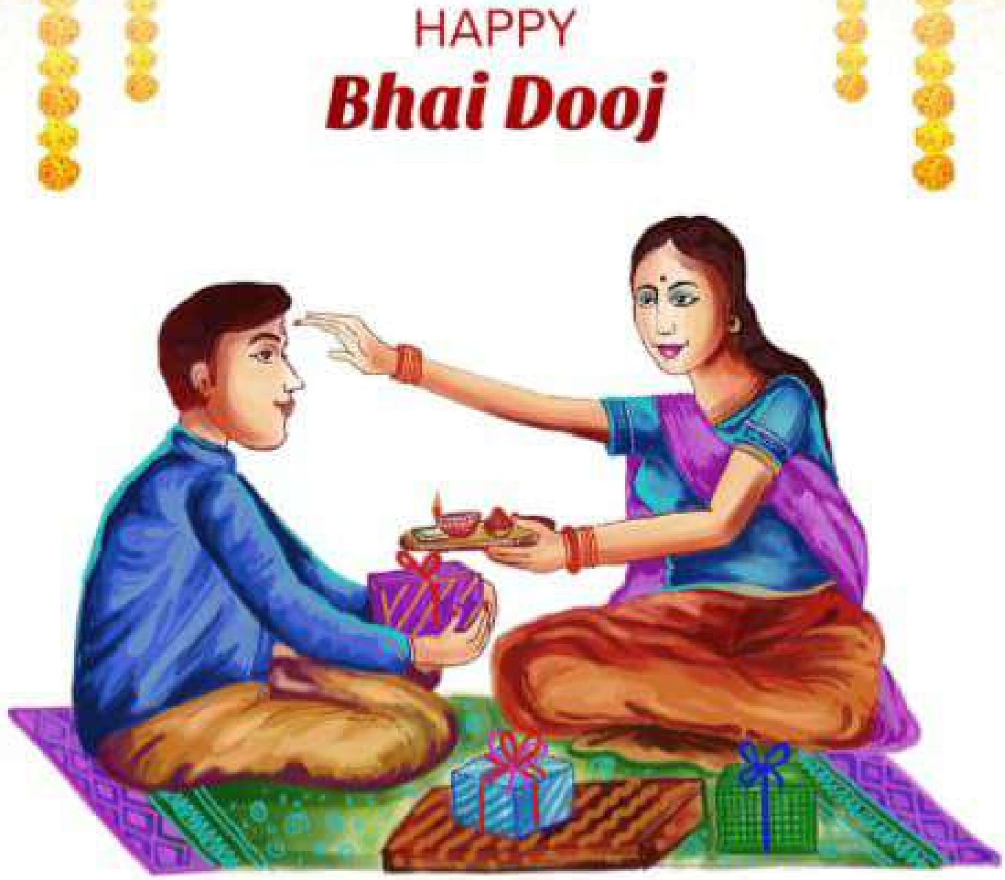

भैया दूज कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाए जाने वाला हिन्दू धर्म का पर्व है जिसे यम द्वितीया भी कहते हैं। भारतीय समाज में परिवार सबसे अहम पहलू है। भारतीय परिवारों के एकता यहां के नैतिक मूल्यों पर टिकी होती है। इन नैतिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए वैसे तो हमारे संस्कार ही काफ़ी हैं लेकिन फिर भी इसे अतिरिक्त मजबूती देते हैं हमारे त्यौहार। इन्हीं त्यौहारों में भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते को दर्शाता एक त्यौहार है भैया दूज।

राकेश कुमार

चित्रगुप्त पूजा विशेष

- **जन्म:** पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्मा जी ने 11 हज़ार वर्षों तक तपस्या की, जिसके बाद उनके शरीर से चित्रगुप्त प्रकट हुए। ब्रह्मा जी की काया से उत्पन्न होने के कारण चित्रगुप्त के वंशज कायस्थ कहलाते हैं।

- **कर्मों का लेखा-जोखा:** चित्रगुप्त जी धर्मराज यम के सहायक हैं। वे मृत्यु के बाद सभी प्राणियों के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा करते हैं। इसी कारण उन्हें न्याय का देवता और देवताओं का लेखापाल (अकाउंटेंट) भी कहा जाता है।

- **पूजा का महत्व:** चित्रगुप्त पूजा के दिन कलम, दवात और बही-खातों की विशेष पूजा की जाती है। यह मान्यता है कि इस पूजा से ज्ञान, बुद्धि और लेखन में कुशलता प्राप्त होती है।

MATH TLM

66 Class-6to8

लाभ और हानि (profit and loss)

महत्वपूर्ण सूत्र

$$\text{विक्रय मूल्य} = \frac{\text{क्र. मू.} \times (100 - \text{हानि})}{100}$$

जैसे -क्र.मू. - 2000 रु, हानि -20% ,
वि.मू.-?

$$\text{हलः- वि.मू.} = \frac{2000 \times (100-20)}{100}$$

$$= \frac{2000 \times 80}{100} = 1600\text{रु}$$

Anu Priya, Science Teacher

गाली-गलौज को हथियार क्यों बनाता है ऑस्ट्रेलिया: प्रतिद्वंद्वी को दिमागी तौर पर अस्थिर करने की रणनीति है स्लेजिंग; स्टीव वॉ ने इसे पॉपुलर किया

क्रिकेट में क्या होती है स्लेजिंग?

क्रिकेट में स्लेजिंग का मतलब अपोजिशन टीम और उनके प्लेयर्स के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करना, जिनसे उनका फोकस टूटे। वे मेंटली ब्रेक हों, खेल पर फोकस नहीं कर सके और मैदान पर अपना 100% नहीं दे पाए।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमें अक्सर इस स्ट्रैटजी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते आई हैं। टीम इंडिया जब विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी में खेलती थी, तब भारत की ओर से भी बहुत ज्यादा स्लेजिंग देखने को मिलती थी। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमें अक्सर स्लेजिंग करने से दूर ही रहती है।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **23.10.2025**

अंतःक्रियात्मक प्रक्रिया

अंतःक्रियात्मक प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति, तत्व या प्रणालियाँ आपस में एक-दूसरे पर प्रभाव डालती हैं और प्रतिक्रिया करती हैं। यह एक दो-तरफ़ा संचार है, जिसमें जानकारी का आदान-प्रदान लगातार होता रहता है, जिससे एक गतिशील और जीवंत संबंध बनता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

तुर्की में पुरातत्वविदों ने लगभग **2700 साल** पुराना एक **प्राचीन मंदिर और पवित्र गुफा** खोजा है। माना जा रहा है कि यह स्थल **फ्रिजियन सभ्यता** (1200 से 650 ईसा पूर्व) के समय का है और **मातृ देवी** की उपासना से जुड़ा था।

पद्य पंकज

"

सुन्दरता का आलोक-श्रोत
है फूट पड़ा मेरे मन में,
जिससे नव जीवन का प्रभात
होगा फिर जग के आंगन में!
मेरा स्वर होगा जग का स्वर,
मेरे विचार जग के विचार,
मेरे मानस का स्वर्ग-लोक
उतरेगा भू पर नयी बार!

सुमित्रा नंदन पंत

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

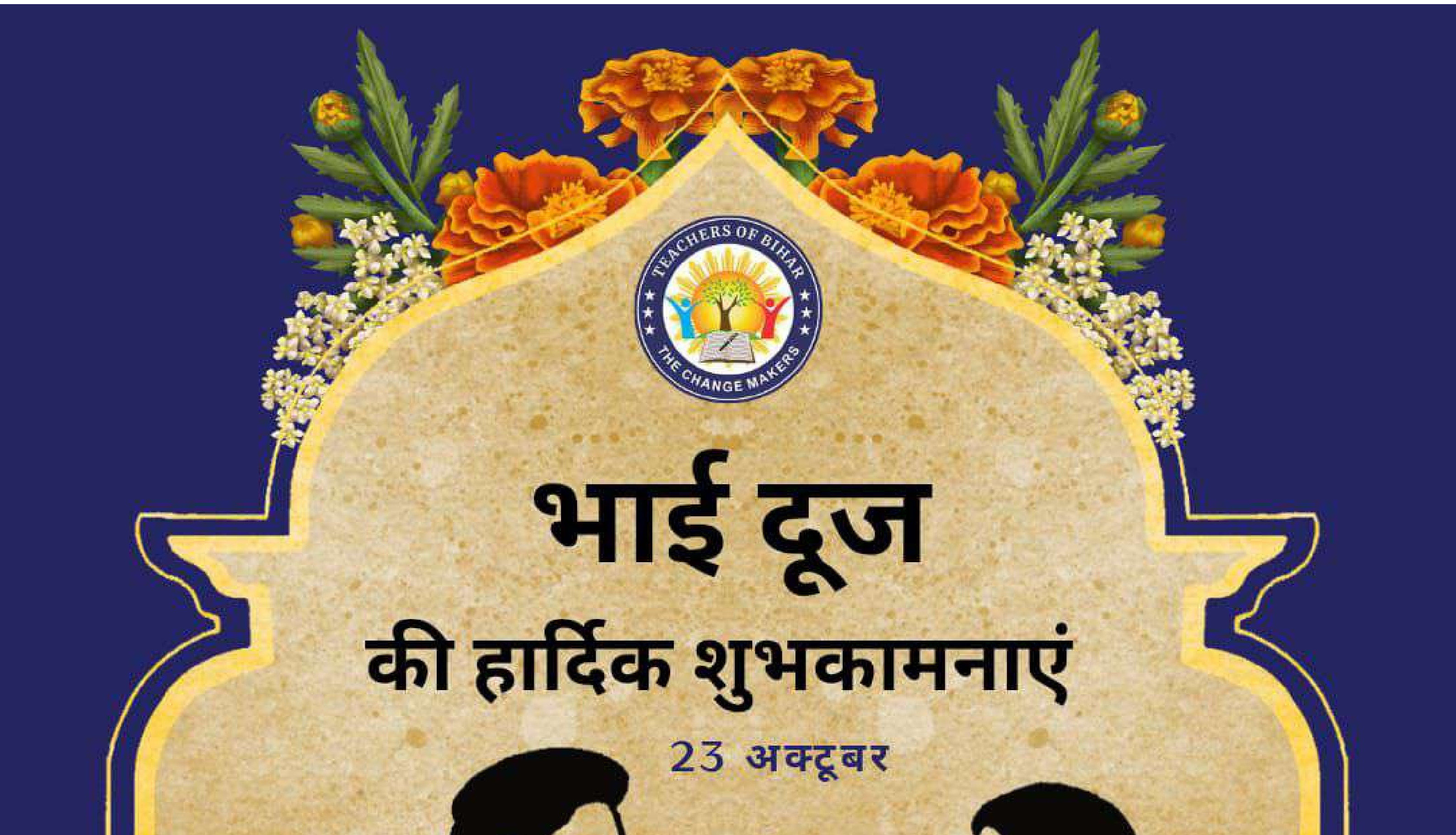
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
भाई दूज
की हार्दिक शुभकामनाएं
23 अक्टूबर
Punita Kumari
www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती पर नमन।

बॉडीलाइन रणनीति के अग्रेता, डगलस रॉबर्ट जार्डिन

23 अक्टूबर 1900 - 18 जून 1958

Madhu priya